# विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
# नेट-ब्यूरो

Code No. : 15

विषयः  जनसंख्या अध्ययन

पाठ्यक्रम

**इकाई-1:  जनसंख्या आंकड़ों का परिचय और स्रोत**

जनसंख्या अध्ययन का इतिहास, परिभाषा, प्रकार और विषय-क्षेत्र, अन्य सामाजिक विज्ञानों का जनसंख्या अध्ययन के साथ संबंध, सामाजिक ढांचा, सामाजिक और नस्ली समूह, समाज और संस्कृति तथा जनसंख्या अध्ययन में इसकी भूमिका, सामाजिक संस्थाएं (परिवार, विवाह, नातेदारी और धर्म) और जनसंख्या अध्ययन को प्रभावित करने में उनकी भूमिका, भारत में सामाजिक परिवर्तन, भारत की जनजातियाँ और उनकी संस्कृति।

सामाजिक -  मनोवैज्ञानिक अवधारणा और जनसंख्या अध्ययन में उसकी प्रासंगिकता, संप्रेषण की अवधारणा, प्रक्रियाएं और जनसंख्या अध्ययन के संदर्भ में इनकी प्रासंगिकता।

जनसंख्या की प्रवृत्तियां, जनसंख्या के आकार और वृद्धि में वैश्विक उतार-चढ़ाव, भारत में जनसंख्या का इतिहास, वर्तमान जनसंख्या परिदृश्य और भारत तथा राज्यों का जनसांख्यिकीय प्रोफाइल। आधारभूत जनसांख्यिकीय अवधारणा, जनसंख्या परिवर्तन के घटक।

*जनसंख्या आंकड़ों का स्रोत :* जनसंख्या जनगणना : जनसंख्या का इतिहास, भारत की जनगणना की परिभाषा और विषय-क्षेत्र : ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, व्याप्ति, विशेषताएं और प्रयोग। भारत के विभिन्न आंकड़ा स्रोतों की अच्छाइयां और कमजोरियां।

*जैव सांख्यिकी :* ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, उपयोगिता और सीमा, भारत में नागरिक पंजीकरण प्रणाली, इतिहास, व्याप्ति, नागरिक पंजीकरण की समस्याएं, प्रतिदर्श पंजीकरण प्रणाली (एस आर एस)।

*जनसंख्या सर्वेक्षण :* अर्थ, विषय-क्षेत्र, प्रयोग, सीमाएं, प्रमुख सर्वेक्षण : राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण (एन एन एस), विश्व प्रजननता सर्वेक्षण (डब्ल्यु एफ एस), जनसांख्यिकी स्वास्थ्य सर्वेक्षण (डी एच एस), प्रजनन और शिशु

स्वास्थ्य सर्वेक्षण (आर सी एच एस), राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एन एफ एच एच), व्यापक पोषण सर्वेक्षण, वृद्धजन सर्वेक्षण।

आंकड़ों का आकलन (आंकड़ों का मूल्यांकन और समायोजन) : जनसंख्या आंकड़ों के प्रकार और त्रुटि के स्रोत, आयु-आंकड़ों में समायोजन – व्हिपल का सूचकांक, मेयर का सूचकांक, संयुक्त राष्ट्र, आयु लैंगिक यथार्थता सूचकांक – परिकल्पना, अनुप्रयोग और सीमाएं, जैव पंजीकरण आंकड़ों की पूर्णता, चंद्रशेखरन – डेमिंग का सूत्र आयु आंकड़ों का समरेखण।

**इकाई-2: जनसांख्यिकी / जनसंख्या विश्लेषण की पद्धतियां :**

दर, अनुपात, समानुपात, प्रतिशतता, घनत्व, घटनाएं और प्रचलन, व्यक्ति-वर्ष।

*जनसंख्या वृद्धि की दर :* अंकगणितीय, ज्यामितीय और घातीय दरें, दशकीय संवृद्धि दर, द्विगुणित होने की अवधि, जनसंख्या स्थरीकरण की अवधारणा और निवल प्रजनन दर इकाई। प्रजननता और मृत्युदर के अनुमानों की अपीरष्कृत और मानक पद्धतियां।

समय और लेक्सिस आरेख में घटना का स्थान।

*जनसंख्या प्रेक्षण की पद्धति :* गणितीय (लिनेरा, धातीय, पोलीमोनियल, गोम्पर्टज़ और जनसंख्या प्रक्षेपण के लिए संभार संवृद्धि वक्र), जनसंख्या प्रक्षेपण की संघटक पद्धति, उप-राष्ट्रीय जनसंख्या प्रक्षेपण, श्रम के प्रेक्षण की पद्धति, विद्यालय नामांकन, कार्यबल और घरेलू सामान।

संयुक्त राष्ट्र, विश्व बैंक और भारत सरकार की विशेषज्ञ समिति द्वारा जनसंख्या प्रक्षेपण।

*जनसंख्या आकलन :* जनसंख्या की अंत: जनगणना / पश्च-जनगणना आकलन, जनसंख्या पिरामिड।

जनसंख्या, प्रतिदर्श मापदंड, माध्य और मानक त्रुटि का प्रतिचयन वितरण।

*सांख्यिकीय पद्धति :* आवृति वितरण, विवरणनात्मक और आगमानात्मक सांख्यिकी, केन्द्रीय प्रवृत्ति का परिमाप (माध्य, माध्यिका, बहुलक), प्रसारण का परिमाप (प्रक्षेत्र, प्रसरण और मानक विचलन), सहसंबंध और रेखीय प्रतिगमन, सांख्यिकी परिकल्पना के परीक्षण का परिचय और आशय का परीक्षण, अंतर्वेशन और बहिर्वेशन।

**इकाई-3: जनसंख्या संघटन और परिवर्तन**

**जनसंख्या के आकार और वितरण में क्षेत्रीय और कालगत परिबर्तन-भारत के विशेष संदर्भ में वैश्विक परिदृश्य के साथ भारत का संदर्भ।**

**विकसित और विकासशील देशों में आयु और लैंगिक ढांचा।**

*भारत की जनसंख्या का संघटन :* जनसंख्या के आयु और लैंगिक ढांचे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले जनसांख्यिकीय, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक, कारक और जनसंख्या के परिवर्तन : वैश्विक और भारतीय परिपेक्ष्य में उसकी प्रासंगिकता, जनसंख्या का क्षेत्रीय वितरण : जनसंख्या के संकेंद्रीयकरण का परिमाप : घनत्व, वितरण, असमानता सूचकांक, शहरीकरण की रफ्तार, प्रास्थिति-आकार नियम, गिनी का संकेद्रण अनुपात, लोरेंज का वक्र आदि; जनसंख्या के क्षेत्रीय वितरण, घनत्व और संकेद्रण पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कारक – वैश्विक, राष्ट्रीय, क्षेत्रीय प्रतिमान।

*वृद्ध की विद्धावस्था जनसंख्या :* बृद्ध जनसंख्या की अवधारणा और परिमाप, बृद्ध जनसंख्या के घटक। भारत और राज्यों में वृद्धावस्था की प्रवृति और प्रतिमान। वृद्धावस्था के सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य पहलू; आवास व्यवस्था, परिवार का सहयोग, आश्रिता; बृद्धावस्था से संबंधित उभरते हुए मुद्दे। जनसांख्यिकी विभाजक, लैंगिक अनुपात, जन्म पर लैंगिक अनुपात, बाल-महिला अनुपात, माध्यिका आयु, आयु-लिंग पिरामिड, आश्रिता अनुपात (बाल आश्रिता अनुपात, वृद्ध आश्रिता अनुपात, समग्र आश्रिता अनुपात)।

**इकाई-4: वैवाहिकता एवं प्रजनन**

*वैवाहिकता :* अवधारणा और आंकड़ों का स्रोत; परिमाप – कच्ची आयु में विवाह दर, आयु-विशेष विवाह दर, क्रम-विशेष विवाह दर, एकल (सिंगुलेट) औसत, विवाह के समय आयु (एस एम ए एम):–

क. एकल (सिंगुलेट) से तात्पर्य है, विवाह के समय आयु (एस एम ए एम) – संश्लिष्ट कोहार्ट और दशकीय संश्लिष्ट कोहार्ट पद्धति।
ख. वैवाहिकता के सूचकांक (कोएल का सूचकांक)

*भारत में विवाह के प्रतिमान :* स्तर, प्रवृत्ति और विवाह के समय आयु में अंतर, तलाक, विधवापन, विधवा विवाह।

भारत और राज्यों में विधवापन का स्तर और प्रवृत्ति, प्रजननता पर विधवापन / तलाक में परिवर्तन का प्रभाव, जनगणना के आंकड़ों के अनुसार विधवापन / तलाक की माध्य आयु।

प्रजननता

प्रजननता की आधारभूत संकल्पना और इसके अध्ययन में प्रयुक्त पद

*प्रजननता संकेतक :* आंकड़ों का स्रोत और उनकी गणना, प्रतिनिध्यात्मक या आवधिक संकेतक : अशोधित जन्म-दर (सी बी आर), सामान्य प्रजननता दर (जी एफ आर), आयु-विशेष प्रजननता दर (ए एस एफ आर), आयु-विशेष वैवाहिक प्रजननता दर (ए एस एम एफ आर), समग्र वैवाहिक प्रजननता दर (टी एम एफ आर), समग्र प्रजननता दर (टी एफ आर), सकल प्रजननता दर (जी आर आर), निबल प्रजननता दर (एन आर आर), प्रतिस्थापन स्तरीय प्रजननता, जन्म क्रम सांख्यिकी, बाल-महिला अनुपात, क्रम विशेष प्रजननता परिमाप।

*कोहार्ट संकेतक :* अब तक जन्में बच्चे, परिवार का पूर्ण आकार।

आयु का मानकीकरण या समायोजन, प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष मानकीकृत जन्म दर, लिंग-आयु समायोजित जन्म दर।

भारत में प्रजननता का स्तर, प्रवृत्ति और विभेदक, प्रजननता के निर्धारक : प्रसवोत्तर ऋतुरोध (अमनॉरिया) (पी पी ए), स्तनपान कराना, बांझपन, प्रजनन-क्षमता और अन्य कारक।

प्रजननता विश्लेषण का ढांचा : डेविस और ब्लेक का मध्यवर्ती परिवर्तनीय ढांचा, बोनगार्ट के सामीप्य निर्धारक, प्रजननता का ली और बुलाट्रू का ढांचा।

प्रजननता की अप्रत्यक्ष विधि : कोले – ट्रसेल का प्रजननता के आयु प्रतिमान का मॉडल, प्रजननता आकलन की प्रतिवर्ती अनुवर्ती विधि, रेले विधि, पी / एफ अनुपात विधि, ब्रास की पी1 / एफ 1 अनुपात विधि।

*विकसित और विकासशील देशों में प्रजननता अवस्था परिवर्तन, विशेषत :* भारत के संदर्भ में, प्रतिस्थापन स्तर के नीचे की प्रजननता का प्रभाव।

## इकाई-5: मृत्यु दर, अस्वस्थता दर एवं स्वास्थ्य

मृत्यु दर : आधारभूत अवधारणाएं परिभाषाएं और गर्भ-क्षति के परिमाप – क्षति (गर्भस्राव, गर्भपात, भ्रूण मृत्यु, मृत-जन्म), जीवित जन्म, शीघ्र,-विलंब से और नव-प्रसवोत्तर मृत्युदर, शिशु और बाल मृत्यु।

शिशु मृत्यु दर : भारत में शिशु और बाल मृत्यु के स्तर और निर्धारक। शिशु मृत्यु दर के कारण (अंतर्जात और बहिरजात)। बच्चों के जीवित रहने के संबंध में मोस्ले और शेन का ढांचा।

*मृत्यु दर के संकेतक :* अशोधित मृत्यु दर (सी डी आर), आयु विशेष मृत्यु दर (ए एस आर डी), शिशु मृत्यु दर (आई एम आर), पांच वर्ष से कम आयु में मृत्यु पर नवजात मृत्यु दर, प्रसवोत्तर मृत्यु दर, मातृत्व मृत्यु दर (एम एम आर)।

*मृत्यु दर के आंकड़ों का स्रोत और इसकी गुणवत्ता :* मृत्यु दर का परिमाप, नीति और लोक हस्तक्षेप के लिए मृत्यु दर के अध्ययन की आवश्यकता और महत्त्व, मृत्यु दर के परिमाप के सापेक्ष गुण और दोष।

विकसित और विकासशील क्षेत्रों में मृत्यु दर के स्तर और प्रवृत्तियां, विशेषत : भारत के संदर्भ में, आयु लिंग विशेष मृत्यु दर, निवास के स्थान और सामाजिक-आर्थिक विशेषताओं के अनुसार मृत्यु दर में अंतर। पिछले समय में उच्च मृत्यु दर के लिए जिम्मेदार कारक और विकासशील देशों में मृत्यु दर में गिरावट के कारण।

शिशु और बाल मृत्यु दर के आकलन की अप्रत्यक्ष विधि।
मृत्यु दर का प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष मानकीकरण।

जीवन तालिका : जीवन सारणी की आधारभूत अवधारणा, प्रकार और रूप तथा मॉडल जीवन सारणी; जीवनसारणी की गणना, मॉडल जीवन सारणी, यू एन मॉडल जीवन सारणी की आवश्यकता। आयु-विशेष मृत्यु दरों पर आधारित जीवन सारणी तैयार करना, विनिर्दिष्ट अवधि के दौरान समुदाय का ए एस डी आर का उपयोग करते हुए जीवन सारणी तैयार करने की परिकल्पना, विभिन्न क्षेत्रों में जीवन तालिका का उपयोग, जनसांख्यिकी विश्लेषण में जीवन सारणी का अनुप्रयोग।

*अस्वस्थ्यता :* स्वास्थ्य और अस्वस्थ्यता की अवधारणा और परिभाषा, अस्वस्थता के आंकड़ों का स्रोत और परिमाप।

*अस्वस्थता के सकेंतक :* सूचकांक, विद्यमानता और रोगी-मृत्यु दर का अनुपात।

विकसित और विकासशील देशों में महामारी के संक्रमण का सिंहावलोकन, विशेषत : भारत के संदर्भ में।

*स्वास्थ्य :* प्रजनन संबंधी स्वास्थ्य :– प्रजनन संबंधी स्वास्थ्य की परिभाषा, युक्ति, उपागम, विचारों का विकास, मातृत्व अस्वस्थ्ता, आपातिक प्रसूति देखभाल, किशोर प्रजनन संबंधी अस्वस्थता। भारत में मातृत्व अस्वस्थता और मृत्यु कम करने की कार्य-नीति, गर्भपात से संबंधित मुद्दे। प्रजनन तन्त्रिका संक्रमण (आर टी आई) / यौन संचारित संक्रमण (एस टी आई), एच आई वी / एड्स और उनके अभिप्रेत।

प्रजनन संबंधी अधिकार और नैतिक मुद्दे।

प्रजनन क्षेत्र संक्रमण (आर टी आई) / यौन संचारित संक्रमण (एस टी आई) एच आई वी / एड्स और उनके प्रभाव।

प्रजनन संबंधी अधिकार और नैतिक मुद्दे।

*मृत्यु के कारणों की सांख्यिकीय :* मृत्यु सांख्यिकीय के कारणों की परिभाषा और स्रोत, मृत्यु का कारण बनने वाले रोगों के अंतर्राष्ट्रीय वर्गीकरण का परिचय [आई सी डी – X (1990)], मृत्यु के वैश्विक कारण, विशेषतः एशिया और भारत के संदर्भ में; आयु एवं प्रमुख कारणों के अनुसार मृत्यु का वितरण, जीवन की संभाव्यता।

*रोग व्याप्ति :* रोग व्याप्ति के अध्ययन की आवश्यकता, आधारभूत अवधारणा, रोग के भार का परिमाप; और राज्यों / संघ राज्य-क्षेत्रों द्वारा भारत में रोग के भार का वर्तमान परिदृश्य।

वृद्धावस्था और रोगों की व्याप्ति, जीवन की संभाव्यता और अशक्ततारहित जीवन की संभाव्यता।

**इकाई-6: शहरीकरण और प्रव्रजन**

भारत और अन्य देशों में शहर की अवधारणा और परिभाषा।

शहरीकरण की प्रक्रिया, परिमाप और आंकड़ों का स्रोत।

विकसित और विकासशील देशों में शहरीकरण और प्रव्रजन के बीच अंतः संबध।

भारत में शहरीकरण की प्रवृत्ति, प्रतिमान, विशेषताएँ और विभेदक

स्थापन का वर्गीकरण, विशेषताएं, क्रमिक विकास और संवृद्धि, विज्ञान, मोरफोलोजी (morphology) भूमि के प्रयोग के तरीके और कार्य, क्षेत्रीय संगठन, केंद्रीयता और पदक्रम के सिद्धांत, केंद्रीयता परिमापन की पद्धतियां, केन्द्रीय स्थान क्षेत्र, क्रिस्टालर और लोश का योगदान।

शहरीकरण और शहर परिवर्तन-विश्व की शहरी जनसंख्या का परिवर्तन वितरण, शहर संवृद्धि के सिद्धांत और कारण, शहरी पदक्रम (प्रास्थिति आकार नियम), बड़े नगर की विशेषताएं, शहरीकरण का चक्र, शहरी केन्द्रों के गठन के आर्थिक और सामाजिक सिद्धांत, शहरी विकास मॉडलों की अवस्थाएं, विकसित और विकासशील देशों की शहरी व्यवस्थाओं में द्वित्तीय विश्व युद्ध के बाद जनसांख्यिकी और सामाजिक परिवर्तन।

विकसित तथा विकासशील देशों में शहर वृद्धि, शहरीकरण के सामाजिक-आर्थिक और पर्यावरण संबंधी परिणाम :– रोजगार, शहरी अनौपचारिक क्षेत्र, आधारभूत सुविधाएं, आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा, वृद्ध जनसंख्या, पर्यावरण, संपोषणीयता, स्मार्ट सिटी और शहर का भविष्य।

विश्व नगर – विश्व नगरों का पदक्रम, वैश्विक राजधानी की संस्थाओं की संवद्धि और क्रियाकलाप।

**प्रव्रजन**

आधारभूत अवधारणा और परिभाषाएं – संचलन, गतिशीलता, संप्रेषण और प्रव्रजन आंकड़ों का स्रोत – उपलब्ध आंकड़ों का प्रकार, व्याप्ति और परिसीमाएं।

*प्रव्रजन के प्रकार :* आंतरिक और अंतरराष्ट्रीय

आंतरिक और अंतरराष्ट्रीय प्रव्रजन की प्रवृत्ति, प्रतिमान और विभेदक।

आंतरिक और अंतर्राष्ट्रीय प्रव्रजनों के निर्धारक और परिणाम।

शरणार्थी – मुद्दे और प्रभाव

प्रव्रजन के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष परिमाप – जनगणना के आंकड़ों के अनुसार जीवन-काल और अंतर-जनगणना संबंधी प्रव्रजन दर का आकलन, जीवन आंकडे मापांक पद्धति का प्रयोग करते हुए निवल आंतरिक प्रव्रजन का अप्रत्यक्ष परिमाप, राष्ट्रीय संवृद्धि दर पद्धति, जनगणना एवं जीवन सारणी अतिजीविता अनुपात पद्धति, अंतरराष्ट्रीय प्रव्रजन के आकलन की पद्धति।

आंतरिक और अंतर्राष्ट्रीय प्रव्रजन के सिद्धांत – रेविन्स्टीन, एवरेट ली, लेविस – फी – रानिस मॉडल, टोडरो, स्टॉफर, जेलिन्स्की, नव-शास्त्रीय आर्थिक सिद्धान्त, नये घरेलू-सामान का आर्थिक सिद्धान्त, द्वंद्वात्मक श्रम बाजार सिद्धान्त, विश्व प्रणाली सिद्धान्त, सामाजिक नेटवर्क सिद्धान्त, संचयी कारणता सिद्धान्त।

**इकाई-7: जनसंख्या, विकास एवं पर्यावरण**

विकास के संदर्भ में पर्यावरण, जनसंख्या वृद्धि, पर्यावरण और विकास के बीच अंतःसंबंध।

*विकास की अवधारणा और परिमाप :* विकास के संकेतक के रूप में प्रति व्यक्ति आय की परिसीमाएं, मानव केंद्रित विकास – कल्याण उपागम, मानव-पूंजी में निवेश का उपागम, मानव विकास सूचकांक (एच डी आई), जीवन की गुणवत्ता का सूचक (पी क्यू एल आई), सामाजिक विकास की अवधारणा, सामाजिक पूंजी और सामाजिक परिवर्तन, सामाजिक विकास सूचकांक (एस डी आई), लिंग विकास सूचक (जी डी आई), मिलेनियम विकास लक्ष्य ( एम डी जी), संपोषणीय विकास की अवधारणा, संपोषणीय विकास का लक्ष्य (एस डी जी), गरीबी की अवधारणाएं और परिमाप, मानव गरीबी सूचकांक (एच पी आई), जनसंख्या-गतिविज्ञान पर प्रभाव, आयु ढांचा संक्रमण, जनांकिकी लाभांश, जनांकिकी विभाजक और जनसंख्या वृद्धता।

*जनसंख्या और विकास के बीच संबंधों के बारे में विचार :*

i. जन्मवादी (प्रोनेटलिस्ट) समर्थकों और खुशहाली संबंधी तर्कों के संबंध में अलग-अलग धर्मों के विचार, ग्रीक के दार्शनिकों के विचार, अत्याधिक जनसंख्या के संबंध में चीनी दार्शनिक कन्फ्यूसस के लेख, प्रतिष्ठित वाणिज्यविदों और फिजियोक्रेटरों के विचार, समाजवादी और मार्क्सवादी विचार आदि।
ii. निराशावादी परिप्रेक्ष्य : जनसंख्या वृद्धि को विकास में बाधा के रूप में देखना, माल्थस का सिद्धान्त, कोएल और हूवर का अध्ययन, सामान्य लोगों की त्रासदी, संवृद्धि अध्ययन की सीमाएं और इंके का निवेश मॉडल आदि।
iii. आशावादी परिप्रेक्ष्य : जनसंख्या वृद्धि विकास में सहायक – वाणिज्यविदों के विचार, कोलिन और कंडोरसेट के विचार, कोलिन क्लार्क, ईस्टर वोसरप और जुलियन साइमन आदि के विचार ।
iv. तटस्थतावादी / सुधारवादी परिप्रेक्ष्य : जनसंख्या परिवर्तन और विकास के बीच के संबंधों का अध्ययन करने की आवश्यकता – साइमन कुज्नेट्स, एलन किली और रार्बट स्मिज्ट तथा ब्लूम और विलियमसन आदि के विचार ।

जनसंख्या और संसाधन :
*प्राकृतिक संसाधन :* प्राकृतिक संसाधनों का प्रकार, नवीकरणीय और गैर-नवीकरणीय संसाधन, संसाधनों की कमी और संसाधनों की क्षति।
*पूंजीगत संसाधन :* बचत और निवेश, प्रौद्योगिकी और विकास पर जनांकिकीय कारकों का प्रभाव, भौतिक परिसंपत्तियों की उत्पादकता में सुधार करने में प्रौद्योगिकी का महत्त्व।

*मानव संसाधन :* मात्रात्मक पहलू :– श्रम बल की अवधारणा, आर्थिक रूप से सक्रिय जनसंख्या, बेरोजगारी, बेरोजगारी के प्रकार : प्रच्छन्न, आवर्ती, मौसमी, क्षणिक और चिरकालिक। श्रमिकों की मांग और पूर्ति पर प्रभाव डालने वाले कारक, जनसंख्या वृद्धि संबंधित विकास रोजगार के ढ़ाचे पर प्रभाव।

*जनसंख्या वृद्धि के प्रभाव :* खाद्य आपूर्ति, पानी, स्वच्छता, आवास, रोजगार, स्वास्थ्य, शिक्षा, ऊर्जा आदि पर प्रभाव, पर्यावरण संबंधी अपकर्ष :– वायु प्रदूषण, ग्रीनहाउस प्रभाव – ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन; भूमि के प्रयोग पर जनसंख्या वृद्धि का दबाव:– भूमि का कटाव, मरुस्थल बढ़ना, वन-कटान और भूमि का खारापन आदि।

मानवीय पारिस्थितिकी प्रणाली :– प्राकृतिक और मानवीय कारकों के कारण, पारिस्थितिकी असंतुलन और मानवीय पारिस्थितिकी प्रणालियों पर उनका प्रभाव, असंतुलन के प्रति मानवीय अवबोधन और समायोजन, संपोषणीय मानवीय पारिस्थितिकी प्रणालियां।

पर्यावरण संबंधी सुरक्षा के लिए दिशानिर्देश, अंतर्राष्ट्रीय नयाचार।
जनसंख्या और पर्यावरण के संदर्भ में भारत की विकासात्मक योजनाएं, नीतियां और कार्यनीतियां।

**इकाई-8: *जनसंख्या संबंधी मुद्दे :* लिंग और विशेष समूह**

*लिंग:* लिंग संबंधी अवधारणा और अर्थ, ऐतिहासिक परिपेक्ष्य में लिंग का विकास।
*लिंग और जनसंख्या के घटकों के साथ इसका संबंध :* आयु – लैंगिक ढांचा, प्रजननता, मृत्यु-दर, प्रव्रजन।

मुख्य रूप से भारत पर ध्यान केन्द्रित करते हुए, विकासशील विश्व में प्रमुख अस्वस्थ्ता और मृत्यु का भार, जन्म के समय लैंगिक अनुपात, महिलाओं और पुरुषों द्वारा अनुभव की गई प्रमुख स्वास्थ्य समस्याएं, विकासशील विश्व में महिलाओं और पुरुषों का प्रजनन स्वास्थ्य, महिलाओं और पुरुषों द्वारा प्रयोग में लाई जाने वाली गर्भनिरोध की विधियों में अंतर।

किशोर लड़कों और लड़कियों के स्वास्थ्य और पोषण संबंधी मुद्दे, यौनशोषण और दुर्व्यवहार, वय-संधि, यौन-व्यवहार की शुरुआत, किशोरावस्था में गर्भधारण, गर्भपात, महिला और परिवार नियोजन कार्यक्रम, गर्भ-निरोधक प्रौद्योगिकी, पुरुष के स्वास्थ्य के प्रमुख जोखिम कारक : पुरुषत्व, शराबपीना, तंबाकू और मादक-पदार्थों का सेवन, दुर्घटना आदि।

*आर्थिक विकास का महिला आयाम :* आर्थिक संसाधनों तक महिलाओं की पहुँच, हकदारी, भूमि स्वामित्व, वंशानुगत कानून, ऋण तक पहुंच, महिलाओं के कार्य के परिमाप, महिलाओं के कार्य के विवरण रखना, अनौपचारिक क्षेत्र में शामिल होना, कार्य परिस्थितियां, प्रसूति लाभ, मजदूरी विभेदक, महिला और गरीबी।

वैश्वीकरण : आर्थिक क्रियाकलापों के बदलते हुए प्रतिमान, एजेंसी बातचीत और शक्ति का अंतर के साथ-साथ सीमांतीकरण और संवेदनशीलता के मुद्दे, शहरी श्रम बाजारों में महिला प्रभाग, महिला और प्रव्रजन।

आवास : घरेलू वातावरण और पुरुषों तथा महिलाओं के जीवन पर इनका अलग-अलग प्रभाव

पर्यावरण संबंधी अपकर्षण : जलवायु, जल सारणी और भूमि का प्रयोग में परिवर्तन तथा पुरुषों एवं महिलाओं पर इनका अलग-अलग प्रभाव।

महिलाओं को मुख्य धारा में लाने की अवधारणा : विभिन्न स्वास्थ्य और विकास क्षेत्रों यथा कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा में महिलाओं को मुख्य धारा में लाना, कार्य-स्थल (सरकारी एवं प्राइवेट आदि) में महिलाएं।

महिला असमानता और महिलाओं की प्रस्थिति-सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, स्वास्थ्य और घरेलू हिंसा, महिला स्वायत्तता और सशक्तिकरण तथा इसके जनांकिकीय प्रभाव, महिला सशक्तिकरण का परिमाप (जी ई एम)।

*अनुसूचित जाति (एस सी) और अनुसूचित जनजाति (एस टी) :* आकार, संवृद्धि, संघटन और अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए भारत की विकास योजनाओं और कार्यक्रमों में आबंटन और जनसंख्या पर उनका प्रभाव।

*अशक्त / विकलांग / जनसंख्या :* भारत में आकार, संवृद्धि और आबंटन, शारीरिक रूप से विकलांग जनसंख्या का वर्गीकरण।

भारत में शारीरिक रूप से विकलांग जनसंख्या के लिए विकास योजनाएं और कार्यक्रम।

**इकाई-9: जनसंख्या एवं स्वास्थ्य नीतियां और कार्यक्रम**

*राष्ट्रीय नीतियां :* जनसंख्या का क्रमिक विकास और प्रगति, स्वास्थ्य और उससे संबंधित नीतियां यथा राष्ट्रीय जनसंख्या नीति 1977, राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 1983, राष्ट्रीय जनसंख्या नीति 2000, राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2002, राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017, राष्ट्रीय पोषण नीति, वृद्धजन संबंधी राष्ट्रीय नीति, वृद्धजनों की सामाजिक सुरक्षा, भारत में वृद्धजनों की सुरक्षा संबंधी विधान, सुरक्षित राष्ट्रीय युवा नीति, एच आई वी / एड्स संबंधी राष्ट्रीय नीति, राष्ट्रीय पर्यावरण नीति आदि, इसका प्रयोजन, लक्ष्य और उद्देश्य, इस विषयक क्षेत्र और कार्य-नीतियां।

विशेष समूह संबंधी जनसंख्या और नीतियां, वृद्धावस्था और अशक्तता, वृद्धावस्था और जीवन की गुणवत्ता, वृद्धावस्था और मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं, वृद्धजनसंख्या के लिए स्वास्थ्य के सामाजिक अनुपात, स्वस्थ वृद्धावस्था, स्वस्थ वृद्धावस्था संबंधी विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यु एच ओ) का ढांचा, भारत में वृद्धजनों की देखभाल।

स्वास्थ्य और जनसंख्या में नीति आयोग की जनसंख्या एवं स्वास्थ्य संबंधी नीतियो और कार्यक्रम में भूमिका।

जनसंख्या, स्वास्थ्य और राज्य स्तर पर उनसे संबंधित नीतियां तथा कार्यक्रम।

वर्ष 1952 से भारत में परिवार कल्याण कार्यक्रम का क्रमिक विकास, चालू अवधि तक अलग-अलग पंचवर्षीय योजनाओं में जनसंख्या नियंत्रण की कार्य-नीतियां।

विभिन्न विशेषज्ञ समितियों की सिफारिशें यथा – भोरे समिति, मुडालियर समिति, चड्ढा समिति, मुखर्जी समिति, जुंगलवाला समिति, करतार सिंह समिति, श्रीवास्तव समिति, बजाज समिति आदि।

*राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन :* इतिहास और क्रमिक विकास, एन एच एम और आर सी एच के अधीन विभिन्न योजनाएं : प्रजनन, मातृत्व, नवजात शिशु, बाल स्वास्थ्य और किशोर कार्यक्रम (आर एम एन सी एच ए) आदि।

*भारत की नीतियां और कार्यक्रम तथा विधान :* विवाह के समय आयु, गर्भावस्था का चिकित्सीय समापन, लिंग चयनित गर्भपात (पी सी एन डी टी अधिनियम), सी ओ टी पी ए अधिनियम, 2003 (तंबाकू नियंत्रण अधिनियम) से संबंधित भारत की नीतियां और कार्यक्रम तथा विधान, प्रजनन और स्वास्थ से संबंधित नीतियां और कार्यक्रम, किशोर स्वास्थ्य, बाल स्वास्थ्य, जन्म से पहले, जन्म के समय और जन्म के पश्चात देखपाल, रोग-प्रतिरक्षीकरण, विटामिन की कमी, दस्त और गंभीर श्वसन संक्रमण, रोग-प्रतिरक्षीकरण, परिवार नियोजन आर टी एस / एस टी डी, एच आई वी / एड्स, लोक स्वास्थ्य पोषण, बांझपन के कारण और सरकारी कार्यक्रमों के अधीन इसका उपचार, बांझपन के सामाजिक और मनोवैज्ञानिक परिणाम, रजोनिवृति से संबंधित महिलाओं की सामाजिक, मनोवैज्ञानिक और स्वास्थ्य समस्याएं।

वृद्धजनों के स्वास्थ्य देखभाल संबंधी राष्ट्रीय कार्यक्रम, संचारी और गैर-संचारी रोग।
परिवार नियोजन की विधियां – पारंपरिक बनाम आधुनिक विधियां, लाभ / हानियां, विभिन्न विधियों की प्रभावकारिता।

आर एम एन सी एच + ए कार्यक्रम के विभिन्न घटकों की उपलब्धियां,

जनसंख्या और जन स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न नीतियों और कार्यक्रमों के प्रभाव के आकलन की विधियां और उपागम

*भारत में स्वास्थ्य संबंधी बुनियादी सुविधाएं और उन्हें प्रदान करने की प्रणाली :* भारत में कार्यरत स्वास्थ्य प्रणाली, संगठनात्मक ढांचा-उप स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, जिला, राज्य और केन्द्र स्तरीय स्वास्थ्य प्रणाली, परिवार कल्याण कार्यक्रम में स्वास्थ्य कर्मियों के विभिन्न श्रेणियों की भूमिका और दायित्व, भारत में सभी की स्वास्थ्य देखभाल की अवधारणा और कार्यान्वयन।

स्वास्थ्य संबंधी विकेंद्रीयकरण कार्य-नीति, स्वास्थ्य के संबंध में पंचायती राज संस्थाओं (पी आर आई) की भूमिका, भारत की स्वास्थ्य प्रणाली में सुधार, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण सेवाओं में सरकारी-निजी भागीदारी, कुपोषण को कम करने और स्वास्थ्य क्षेत्रों के साथ समन्वय में आई सी डी एस की भूमिका, स्वच्छता, पानी और सफाई आदि में सुधार करने के लिए अंतर-क्षेत्रीय समन्वय।

*स्वास्थ्य के संबंध में लोक वित्तव्यवस्था की आधारभूत संकल्पना :* स्वास्थ्य के संबंध में इक्विटी, दक्षता और प्रभावकारिता की आधारभूत अवधारणा, लोक कल्याण एवं निजी कल्याण, बाह्यता, सरकारी क्षेत्रक बीमा, सामाजिक स्वास्थ्य स्कीम संबंधी योजनाएं, जनसंख्या और स्वास्थ्य कार्यक्रम के आर्थिक मूल्यांकन के सिद्धांत और पद्धियाँ।

*जनसंख्या और स्वास्थ्य संबंधी वैश्विक मुद्दे और चुनौतियां :* वैश्विक स्वास्थ्य की अवधारणा, वैश्विक जनांकिकी, स्वास्थ्य और बीमारी अवस्था परिवर्तन, स्वास्थ्य और जनसंख्या के संबंध में संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों जैसे यू एन एफ पी ए, पापुलेश्न काउंसिल, डब्ल्यू एच ओ आदि की भूमिका, यू.एन. विश्व जनसंख्या सम्मेलन; बुचारेस्ट (1974), मैक्सिको (1984), कैरो (1994) सम्मेलन, अल्या अटा घोषणा (1978) वर्ष 2000 तक सबके लिए स्वास्थ्य प्राथमिक देखभाल के घटक, सहस्त्रावधि विकास लक्ष्य (वर्ष 2000), संपोषणीय विकास का लक्ष्य (2016)। विकसित और विकासशील देशों की स्वास्थ्य नीतियां और स्वास्थ्य प्रणालियां।

**इकाई-10: शोध प्रविधि और कार्यक्रम**

समाज विज्ञान शोध के सिद्धांत और पद्धतियाँ, वैज्ञानिक शोध – शोध का अवधारणात्मक, आनुभाविक और विश्लेषणात्मक ढांचा, शोध के प्रकार : क्रियानिष्ठ शोध, संक्रियात्मक शोध, रचनात्मक शोध, कार्यक्रम मूल्यांकन शोध।

शोध का अभिकल्प : प्रेक्षण मूलक अध्ययन (विवरणात्मक और व्याख्यात्मक अध्ययन) और प्रायोगिक अध्ययन (अर्थ प्रायोगिक अध्ययन और यथार्थ प्रायोगिक अध्ययन, अनुदैर्ध्य और पैनल अध्ययन अभिकल्प, शोध अभिकल्प में विश्वसनीयता और वैधता से संबंधित मुद्दे)।

*आकड़े संग्रह करने और विश्लेषण की पद्धति :* आकड़े संग्रह करने की गुणात्मक और मात्रात्मक पद्धतियां, मूल्यांकन शोध में आंकडों की गुणवत्ता। संयोगानुपात और सापेक्ष जोखिम की अवधारणा; जनसंख्या के आकड़ो

के विश्लेषण में संभाव्यता की अवधारणा, संभाव्यता का नियम और बेस प्रमेय (थ्योरम) की अवधारणा, जनसंख्या के आकडों के विश्लेषण में द्विपद की अवधारणा, चरमघाती और सामान्य वितरण की आवधारणा एवं अनुप्रयोग।

सांख्यिकीय परिकल्पना की अवधारणा, सहसंबंध, साहचर्य और प्रतिगमन एवं अनुप्रयोग की अवधारणा, P-मूल्य की अवधारणा (सार्थकता का स्तर), विश्वास अंतराल की अवधारणा, संभारतत्र प्रतिगमन विश्लेषण की अवधारणा और अनुप्रयोग।

*प्रतिचयन :* प्रतिचयन की अवधारणा, प्रतिचयन इकाई की अवधारणा, प्रतिचयन का ढांचा और प्रतिचयन का अभिकल्प, प्रतिचयन और गैर-प्रतिचयन की त्रुटि, मानक त्रुटि, प्रतिचयन के आकार का निर्धारण।

*प्रतिचयन की पद्धतियां और तकनीकें :* प्रतिदर्श यादृच्छिक प्रतिचयन, स्तरीकृत यादृच्छिक प्रतिचयन, सुव्यवस्थित या द्वन्छिक प्रतिचयन, उद्देश्यित प्रतिचयन, समूह प्रतिचयन, बहु-चरणीय प्रतिचयन, प्रतिचयन में अभिकल्प का प्रभाव।

शोध की समस्या और शोध परिकल्पना का निर्माण।

शोध समस्या और शोध परिकल्पना की संरचना : शोध समस्या को परिभाषित करना, शोध समस्या के खंड, शोध परिकल्पना की संरचना।

*शोध रिपोर्ट लिखना और शोध में नैतिकता :* शोध रिपोर्ट के प्रकार संक्षिप्त रिपोर्ट और विस्तृत रिपोर्ट, रिपोर्ट लिखना : शोध रिपोर्ट का ढांचा, परिणामों और प्रस्तावित सिफारिशों की व्याख्या।

*शोध में नैतिकता :* ग्राहक संबंधी नैतिकता की संहिता, शोधकर्ता संबंधी नैतिकता की संहिता, उत्तरदाताओं से संबंधित नैतिकता संबंधी संहिता।

*कार्यक्रम की मानीटरिंग और मूल्यांकन :* मानीटरिंग और मूल्यांकन की आधारभूत अवधारणा, मानीटरिंग और मूल्यांकन के बीच अंतर, स्वास्थ्य कार्यक्रम की मानीटरिंग :– आंकडों की आवश्यकता और संकेतक, कार्यक्रम के मानीटरिंग के साधन के रूप में स्वास्थ्य प्रबंधन सूचना प्रणाली (एच एम आई एस), सेवा सांख्यिकी निवेश प्रक्रिया और परिणाम पर आधारित संकेतक। विभिन्न सेवाओं की स्वीकृति दर, उपयोगिता दर, एच एम आई एस के आंकडों की शक्ति और सीमाएं। उपलब्धता, इक्विटी और गुणवता पहुंच का मूल्यांकन तथा आर एम एन सी एच + ए सेवाओं के संबंध में लिंग का परिदृश्य।

मूल्यांकन के प्रकार – निर्णयात्मक और समाकलित मूल्यांकन, समानान्तर मूल्यांकन कार्यक्रम के मूल्यांकन का ढांचा, कार्यक्रम के मूल्यांकन में प्रकार और स्तरों के संकेतक (निवेश प्रक्रिया, निर्गम, परिणाम में भूमिका के संकेतकों), सेवा सांख्यिकी एवं सर्वेक्षण कार्यक्रम मूल्यांकन।

**जन संख्या अध्ययनों में जी आई एस की अवधारणा और अनुप्रयोग**

***जनसंख्या अध्ययन में जी आई एस की अवधारणा एवं प्रयोग :***

*स्थानिक अवधारणा :* स्थानिक मापदंड – स्थान और अवस्थिति, मान, समतल और गोलाकार उपसहसंयोजकता; नक्शे का प्रदर्शन : नक्शों के प्रकार, डिजिटल, स्थानिक और गैर-स्थानिक आंकडों का निरूपण।

*जी आई एस का परिचय :* आंकडों के प्रकार, अलग-अलग और सतत आंकड़े, रास्टर और वेक्टर आंकडे, भू-संदर्भ, भू-कोडिकरण और डिजिटाइजेशन के आधार, रूप-रेखा तैयार करना।

*स्थानिक आंकड़ा निरूपण और विश्लेषण :* बार और लाइन आरेख, आवृत्ति पोलीगोन, आवृत्ति वक्र, स्थानिक एकल परिवर्तक और बहु-परिवर्तन सांख्यिकीय : स्थानिक सहसंबंध और प्रतिगमन; मैट्रिक्स बीजगणित; स्व-सहसंबंध; स्थानिक अंतर्वेशन; क्रिगिंग, मोरान का आई सूचकांक।